https://universitynews.in/

Total No. of Pages: 02

[Total No. of Questions: 05]

3454

B.A. (Part-II) Examination, 2022

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र

(For Non Collegiate Student Only)

(निबन्ध एवं नाटक)

Duration of Examination: 1½ Hrs.
परीक्षा की अवधि: 1½ घण्टा

Max. Marks: 50
पूर्णांक: 50

Instructions to the Candidates:
परीक्षार्थी के लिए निर्देश:-

परीक्षार्थीगण सम्पूर्ण प्रश्नपत्रों में से 50 प्रतिशत अंक के प्रश्नों के उत्तर देवें। परीक्षार्थी द्वारा किन्हीं कारणों से 50 प्रतिशत अंकों से ज्यादा उत्तर देने की स्थिति में परीक्षक द्वारा उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन 50 प्रतिशत अंकों से ही किया जायेगा।

1- निम्नलिखित अवतरणों की प्रसंग व्याख्या कीजिये।

(क) काल के परिवर्तन की कैसी महिमा है जो अपने साथ मानुषी प्रकृति के परिवर्तन पर भी बहुत कुछ असर पैदा कर देता है। वाल्मीकि ने जिन-जिन बातों को अवगुण समझ अपनी कल्पना के प्रधान नायक रामचन्द्र में बरकाया था वे ही सब व्यास के समय में गुण हो गई, जिनकी कविता का मुख्य लक्ष्य यही था कि अपना मान, अपना गौरव, अपना प्रभुत्व जहां तक हो सके न जाने पावे। भारत के हर एक प्रसंग का तोड़ अन्त में इसी बात पर है। शत्रु संहार और निज कार्य-साधन निमित्त व्यास ने महाभारत में जो-जो उपदेश दिये हैं और राजनीति की काट-ब्यौंत जैसी-जैसी दिखाई है उसे सुन बिस्मार्क सरीखे इस समय के राजनीति के मर्म में कुशल राजपुरूषों की अक्ल भी चरने चली जाती होगी। (10)

अथवा

आजकल हिन्दी संक्रान्ति की अवस्था में है। हिन्दी कवि का कर्त्तव्य यह है कि वह लोगों की रूचि का विचार रखकर अपनी कविता ऐसी सहज और मनोहर रचे कि साधारण पढ़े-लिखे लोगों में भी पुरानी कविता के साथ-साथ नई कविता पढ़ने का अनुराग उत्पन्न हो जाय। पढ़ने वालों के मन में नई-नई उपमाओं को, नये-नये शब्दों को और नये-नये विचारों को समझने की योग्यता उत्पन्न करना कवि ही का कर्त्तव्य है। जब लोगों का झुकाव इस ओर होने लगे तब, समय-समय पर कल्पित अथवा सत्य आख्यानों के द्वारा सामाजिक, नैतिक और धार्मिक विषयों की मनोहर शिक्षा दें। जब जो विषय उसके अवलोकन में आवे तब उसी पर अपनी स्वाभाविक शक्ति से कविता लिखकर लोगों को परोक्ष रूप से सचेत करें।

(ख) ओह क्रूर बनवीर! तुम तो उदयसिंह के संरक्षक थे। रक्षा के बदले क्या तुम उसकी हत्या करोगे ? नहीं नहीं यह नहीं हो सकता, यह नहीं हो सकता हैं महाराज बनवीर तुम राज्य करो, चित्तौड़ पर, मेवाड़ पर, सारे राजपूताने पर राज्य करो, पर कुंवर उदयसिंह को छोड़ दो। मैं उसे लेकर सन्यासिनी हो जाऊँगी। तीर्थ में वास करूंगी। तुम्हारा मुकुट तुम्हारे माथे पर रहे. पर मेरा कुंवर भी मेरी गोद में रहे बनवीर। महाराणा बनवीर, मुझे यह भिक्षा दे दो। (10)

अथवा

बाबू मैं तो झाड़-फूँक में विश्वास करता हूँ। हाथ फेरते ही बुखार उतर जावेगा। यह ओझा से पानी लाया हूँ। दो घण्टे में बुखार क्या उसका नाम भी न रहेगा। मैंने तो छोटे बाबू से सवेरे ही कहा-कहो तो ओझा को बुलाऊँ। पर ले न माने, कहा, तू पागल है, सुखिया। मैं चुप ही रहा। क्या करता, गरीब आदमी ठहरा। अभी दो घण्टे में बुखार का नाम भी न रहेगा, बाबू !

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

(ग) वह तो हमें दीख रहा है। ..... रूकाश्या, वो तो पूरव जनम का फल है। पुण्यों का प्रताप हैं लेकिन हम सब तो... बहुत छोटे, साधारण से भी साधारण मानुष हैं। हम मान तो सकते हैं... श्रद्धा-भक्ति भी हृदय से भरपूर दे सकते हैं। रूकाश्या, यही हमारी विवशता है। लाचारी है। पंछी अपने पंख की ताकत के हिसाब से ही तो उड़ पाएगा। आकाश तो अनन्त है पर पक्षी की तो अपनी सीमा है। (10)

अथवा

याद रखो, इनसान से बड़ा भगवान् नहीं है। यदि होता तो उसे इनसान बनकर मृत्यु लोक में आने की इच्छा ही पैदा नहीं होती। ... इसलिए हे भक्तों तुम सच्चे इंसान हो और सबसे ऊपर हो। फूल की तरह सदा खिलते महकते रहो और पानी की तरह सदा बहते। ठहरना पाप है। बराबर काम में लगे रहो।... काम ही ईश्वर हैं काम ही भक्ति है। काम ही जीवन का अर्थ है। अन्याय को कभी मत सहो। स्वराज्य को लाओ। स्वराज्य के लिए मर मिटना तुम्हारा सच्चा धर्म है।

2. 'तुलसी को सामाजिक विचारधारा संकीर्ण न होकर गतिशील है'। इस कथन की विवचेना ''तुलसी के सामाजिक मूल्य निबन्ध'' के आधार पर कीजिए। (18)

अथवा

''कवि कर्त्तव्य'' निबन्ध में व्यक्त महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों पर प्रकाश डालिये।

3. एकांगी के तत्वों के आधार पर 'भोर का तारा' एकांकी की समीक्षा करते हुए उसके नामकरण को स्पष्ट कीजिए। (18)

अथवा

'ईद और होली' एकांकी साम्प्रदायिक विद्वेष पर इंसानियत की विजय का प्रमाण प्रस्तुत करता है।' इस कथन के आलोक में इस एकांकी की समीक्षा कीजिए।

4. 'रक्त ध्वज' नाटक एक ऐतिहासिक नाटक है। इस कथन के आलोक में रक्त ध्वज़ की समीक्षा कीजिए। (18)

अथवा

'रक्त ध्वज' नाटक के नायक की विशेषताएं बताइये। (शब्द सीमा 500 शब्द)

5. हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिये। (16)

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयां लिखिये :-

1. निबन्ध की परिभाषा
2. हिन्दी एकांकी के प्रकार
3. नाटक व एकांकी में अंतर
4. संकलन-त्रय

* * * * *

https://universitynews.in/